भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4171
दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर देने के लिए

सक्षम आंगनवाड़ी के उद्देश्य

4171. एडवोकेट चन्द्र शेखर:

क्या **महिला एवं बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार यह किस प्रकार सुनिश्चित करती है कि कुपोषण को दूर करने के लिए मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के उद्देश्य प्रभावी ढंग से पूरे किए जाएं;

(ख) इन कार्यक्रमों के गरीब लोगों पर, विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) प्रशिक्षण और संसाधनों में कथित अंतराल को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण पोषण सेवाएं प्रदान करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) सरकार इन सेवाओं तक लोगों की पहुंच में असमानता को राज्यवार, विशेषकर आकांक्षी जिलों में किस प्रकार दूर करती है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क): 15वें वित्त आयोग के तहत, कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए आंगनवाड़ी सेवाएं, पोषण अभियान और किशोरियों (आकांक्षी जिलों एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष की) के लिए योजना जैसे विभिन्न घटकों को व्यापक मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत शामिल किया गया है। यह एक केंद्र प्रायोजित मिशन है जिसके कार्यान्वयन और गतिविधियों के दैनिक निष्पादन की जिम्मेदारी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की है। यह मिशन एक सार्वभौमिक स्व-चयन व्यापक योजना है जिसे ग्रामीण, कम सेवा वाले क्षेत्रों और आकांक्षी जिलों सहित पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश में मानव पूंजी के विकास में योगदान देना;
- कुपोषण की चुनौती का समाधान करना;
- स्थायी स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए पोषण जागरूकता तथा खान-पान की अच्छी आदतों को बढ़ावा देना

पोषण केवल खाना खाने तक ही सीमित नहीं है; इसके लिए उचित पाचन, अवशोषण और चयापचय आवश्यक होते हैं जो स्वच्छता, शिक्षा और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच जैसे कारकों से प्रभावित होते हैं। चूंकि कुपोषण के लिए भोजन, स्वास्थ्य, पानी, स्वच्छता और शिक्षा के आयामों को शामिल करते हुए एक बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण आवश्यक होता है, इसलिए कुपोषण के मुद्दे का प्रभावी ढंग से समाधान करना महत्वपूर्ण है। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत 18 मंत्रालयों/विभागों के बीच परस्पर (क्रॉस कटिंग) अभिसरण की मदद से कुपोषण की चुनौतियों का समाधान किया जा रहा है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत सामुदायिक सहभागिता, आउटरीच, व्यवहार परिवर्तन और पक्ष समर्थन जैसे कार्यकलापों के माध्यम से कुपोषण में कमी लाने तथा स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती एवं प्रतिरक्षा में सुधार के लिए एक नई कार्यनीति बनाई गई है। इसमें मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार मानदंडों, गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम)/मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के उपचार और आयुष पद्धतियों के माध्यम से तंदुरुस्ती पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ताकि कुपोषण, ठिगनेपन, रक्ताल्पता (एनीमिया) और अल्प वजन के प्रसार को कम किया जा सके।

इस योजना के तहत बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को पूरक पोषण दिया जाता है ताकि जीवन चक्र दृष्टिकोण अपनाकर पीढ़ियों से चले आ रहे कुपोषण के चक्र को समाप्त किया जा सके। पूरक पोषण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनुसूची-II में निहित पोषण मानदंडों के अनुसार प्रदान किया जाता है। इन मानदंडों को पिछले वर्ष संशोधित और उन्नयित किया गया है। पुराने मानदंड काफी हद तक कैलोरी-विशिष्ट थे, तथापि, संशोधित मानदंड आहार विविधता के सिद्धांतों पर आधारित पूरक पोषण की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के मामले में अधिक व्यापक और संतुलित हैं। इस मानदंड में गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन, स्वस्थ वसा और सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं और बच्चों में रक्ताल्पता (एनीमिया) को नियंत्रित करने और सूक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत की पूर्ति करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है। आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्ताह में कम से कम एक बार पका हुआ गर्म भोजन

और घर ले जाया जाने वाला राशन (टीएचआर) तैयार करने के लिए मिलेट (श्री अन्न) के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बच्चों में गंभीर तीव्र कुपोषण को रोकने और उसका इलाज करने तथा इससे जुड़ी रुग्णता एवं मृत्यु दर को कम करने के लिए सामुदायिक कुपोषण प्रबंधन (सीएमएएम) के लिए संयुक्त रूप से प्रोटोकॉल जारी किया है।

इस मिशन के अंतर्गत सामुदायिक जुटाव और जागरूकता पक्ष समर्थन एक प्रमुख कार्यकलाप है जिसके माध्यम से लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं के बारे में शिक्षित करने के लिए जन-आंदोलन चलाया जाता है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के माह में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़े के दौरान सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के तहत नियमित रूप से जागरूकता कार्यकलापों का आयोजन और रिपोर्टिंग कर रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रमों (सीबीई) ने पोषण पद्धतियों को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में काम किया है और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रत्येक महीने समुदाय आधारित दो कार्यक्रम आयोजित करने होते हैं।

(ख) से (घ): माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 15 नवंबर, 2023 को प्रधानमंत्री जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) की शुरुआत की है। इस मिशन का उद्देश्य 18 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले 75 विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का लक्षित विकास करना है। यह मिशन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सहित 9 प्रमुख मंत्रालयों से संबंधित 11 महत्वपूर्ण कार्यकलापों पर केंद्रित है।

पीएम-जनमन के अंतर्गत अब तक देश भर में कुल 2139 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसके लिए 256.68 करोड़ रुपये की निधिआवंटित की गई है, जिसमें से 138.12 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण प्रदायगी सहायता प्रणालियों को मजबूत करने और उसमें पारदर्शिता लाने के लिए आईटी सिस्टम का लाभ उठाया गया है। दिनांक 1 मार्च 2021 को एक महत्वपूर्ण शासन आईटी उपकरण के रूप में 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन शुरू किया गया था।पोषण ट्रैकर परिभाषित संकेतकों पर सभी आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी), आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों(एडब्ल्यूडब्ल्यू) और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। पोषण ट्रैकर के तहत प्रौद्योगिकी का लाभ बच्चों में ठिगनापन, दुबलापन, अल्प वज़न की व्यापकता की गतिशील पहचान के लिए उठाया जा रहा है।

मोबाइल एप्लिकेशन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक रजिस्टरों के डिजिटलीकरण और स्वचालन की सुविधा भी प्रदान की है जो उनके काम की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। पोषण ट्रैकर हिंदी और अंग्रेजी सहित 24 भाषाओं में उपलब्ध है। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं के लिए दैनिक उपस्थिति, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), पके हुए गर्म भोजन/घर ले जाने के राशन का प्रावधान, वृद्धि माप आदि जैसे तत्काल डेटा संग्रह की सुविधा प्रदान की है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) पोषण ट्रैकर एप्लीकेशन के उपयोग के संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए सीधे ही फील्ड स्तरीय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित करता है। देश भर के विभिन्न जिलों में वर्चुअल और भौतिक रूप से प्रशिक्षण के कई दौर आयोजित किए गए हैं।

वर्ष 2023 में एमडब्ल्यूसीडी द्वारा शुरू किया गया पोषण भी पढाई भी (पीबीपीबी) यह सुनिश्चित करने के लिये एक पथप्रदर्शक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम है कि भारत में अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाला प्री-स्कूल नेटवर्क है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है। पीबीपीबी एक खेल-आधारित, आनंदमय कम लागत वाली शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम), डू-इट-योरसेल्फ (डीआईवाई) किट, गतिविधि-आधारित शिक्षण शिक्षाशास्त्र की वकालत करता है, जो विशेष रूप से 0-3 वर्षीय बच्चों के साथ-साथ 3-6 साल के बच्चों के विकासात्मक मील के पत्थर पर लक्षित है। यह सरल शिक्षण-अधिगम सामग्री और स्वदेशी खिलौनों का उपयोग करने की भी वकालत करता है जो स्थानीय रूप से उपलब्ध और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य हैं।

कार्यकर्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए पूरे देश में एक द्वि-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल का अनुसरण किया जा रहा है। टियर 1 में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर (एसएलएमटी) का दो दिवसीय प्रशिक्षण शामिल है। टियर 2 में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों (एडब्ल्यूडब्ल्यूs) का 3 दिवसीय प्रशिक्षण शामिल है। 16 दिसंबर 2024 तक पीबीपीबी कार्यक्रम के तहत 26,425 एसएलएमटी और 71,745 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है।

आयुर्वेद पहल के माध्यम से किशोरियों में पोषण सम्बन्धी सुधार के लिए महिला और बाल विकास मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों मंत्रालयों ने साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक पहलों के माध्यम से किशोरियों (14-18 वर्ष की आयु) में एनीमिया के प्रबंधन के लिए

पांच आकांक्षी उत्कर्ष जिलों (धुबरी-असम, बस्तर-छत्तीसगढ़, पश्चिमी सिंहभूम-झारखंड, गढ़चिरौली-महाराष्ट्र और धौलपुर-राजस्थान) में एक पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सहयोग किया है।

*****